हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 6 जुलाई 2026

13 फतेहाबाद में मानकों के विपरीत बने स्पीड ब्रेकर हटाने की मांग

14 जिले की 112 पंचायतें संभालेंगी पेयजल आपूर्ति की कमान

फतेहाबाद में कड़ी सुरक्षा के बीच 20 केंद्रों पर हुई एचटेट परीक्षा, 805 रहे अनुपस्थित

लेवल-2 में 4001 व लेवल-1 में 1120 अभ्यर्थी हुए शामिल

डीसी-व एसपी ने केंद्रों का किया निरीक्षण, जैमर, बायोमेट्रिक व सीसीटीवी व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट)-2026 का दूसरा दिन रविवार को जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और नकल रहित माहौल में संपन्न हुआ। प्रशासन की कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिले के कुल 20 परीक्षा केंद्रों पर लेवल-2 और लेवल-1 की परीक्षाएं आयोजित की गई। दोनों स्तरों की परीक्षाओं में कुल 5926 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 5121 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 805 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। लेवल-2 की परीक्षा जिले के 15 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। इसमें पंजीकृत 4535 अभ्यर्थियों में से 4001 ने परीक्षा दी, जबकि 534 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं लेवल-1 की परीक्षा जिले के 5 परीक्षा केंद्रों पर हुई, जिसमें 1391 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1120 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 271 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान उपायुक्त डॉ. विवेक भारती एवं पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय भोडिया खेड़ा, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मनोहर मेमोरियल पीजी कॉलेज, पीएमश्री संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा क्रिसेंट पब्लिक स्कूल सहित कई परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी कैमरों और वीडियोग्राफी की व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

फतेहाबाद। परीक्षा केन्द्र पर अपना सीटिंग प्लान देते परीक्षार्थी व केन्द्र पर परीक्षार्थियों की जांच करते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

चेयरमैन ने की चाय, खाना और रुकने की व्यवस्था

फतेहाबाद। गर्मी के मौसम में एचटेट की परीक्षा देने आने वाले विद्यार्थियों को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो इसको लेकर हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन भारत भूषण मिढ़ा द्वारा अरोड़वंश धर्मशाला में परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों की सहायता के लिए व्यवस्था की गई। इस दौरान मिढ़ा द्वारा आने वालों के लिए चाय, पानी और खाने की व्यवस्था की गई तथा परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों को बैठकर आराम करने और अपनी तैयारी को अंतिम रुप देने के लिए कूलर भी लगवाए गए।

एचटेट परीक्षा देने जा रहे भाई-बहन की कार बेकाबू होकर पलटी, किसानों ने बचाई जान

फतेहाबाद। जिले के जाखल क्षेत्र में रविवार सुबह एक बड़ा सडक हादसा सामने आया। जाखल खंड के दीवाना गांव के पास एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। इस हादसे में कार सवार भाई-बहन बाल-बाल बच गए, जिन्हें मामूली चोटें आई हैं। दोनों परीक्षार्थी थे और रविवार सुबह हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा देने के लिए फतेहाबाद जा रहे थे। हादसे के वक्त खेतों में काम कर रहे किसानों ने देवदूत बनकर दोनों की जान बचाई और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। घायलों के पिता दर्शन सिंह ने बताया कि उनका बेटा हरविंदर सिंह और बेटी बलविंदर कौर निवासी गांव तलवाड़ा रविवार सुबह करीब 8 बजे कार से फतेहाबाद के लिए रवाना हुए थे। दोनों को एचटेट की परीक्षा देनी थी। जैसे ही उनकी कार दीवाना गांव के पास पहुंची, अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण कार सड़क से उतरकर पलट गई।

क्रम	परीक्षा केंद्र का नाम	कुल विद्यार्थी	उपस्थित	अनुपस्थित
1	चौ. मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा (ब्लॉक-1)	320	270	50
2	चौ. मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा (ब्लॉक-2)	320	287	33
3	क्रेसेंट पब्लिक स्कूल, खैराती खेड़ा रोड (ब्लॉक-1)	300	264	36
4	क्रेसेंट पब्लिक स्कूल, खैराती खेड़ा रोड (ब्लॉक-2)	300	261	39
5	राजकीय मॉडल संस्कृति व.मा. विद्यालय (ब्लॉक-1)	300	259	41
6	राजकीय मॉडल संस्कृति व.मा. विद्यालय (ब्लॉक-2)	300	259	41
7	एमएम पीजी कॉलेज, रतिया रोड (ब्लॉक-1)	300	270	30
8	एमएम पीजी कॉलेज, रतिया रोड (ब्लॉक-2)	300	263	37
9	एसबीपी डीएवी सेंटेनरी स्कूल, बीघड़ रोड (ब्लॉक-1)	300	280	20
10	एसबीपी डीएवी सेंटेनरी स्कूल, बीघड़ रोड (ब्लॉक-2)	300	266	34
11	अपैक्स पब्लिक स्कूल, सतीश कालोनी	300	264	36
12	डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल,	300	270	30
13	एमएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सिरसा रोड	300	270	30
14	एमएसडी स्प्रिंग बैल्स स्कूल, बीघड़ रोड	300	257	43
15	महाराजा अग्रसैन स्कूल, सिरसा रोड	295	261	34
	कुल	4535	4001	534

एचटेट लेवल-1 परीक्षा : परीक्षा केंद्रवार उपस्थिति

क्रम	परीक्षा केंद्र का नाम	कुल विद्यार्थी	उपस्थित	अनुपस्थित
1	चौ. मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा (ब्लॉक-1)	300	233	67
2	चौ. मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा (ब्लॉक-2)	300	249	51
3	क्रेसेंट पब्लिक स्कूल, खैराती खेड़ा रोड (ब्लॉक-1)	300	250	50
4	क्रेसेंट पब्लिक स्कूल, खैराती खेड़ा रोड (ब्लॉक-2)	300	229	71
5	राजकीय मॉडल संस्कृति व.मा. विद्यालय (ब्लॉक-1)	191	159	32
	कुल	1391	1120	271

सिरसा में 14238 अभ्यर्थियों में से 12019 ने दी परीक्षा

सिरसा। जिला में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा चार व पांच जुलाई को आयोजित की गई हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) दोनों दिन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को सुबह और सायंकालीन सत्र में लेवल-2 और लेवल-1 की परीक्षा आयोजित की गई। लेवल-2 टीजीटी की परीक्षा में कुल अभ्यार्थियों 7463 में से 6390 ने परीक्षा दी और 1073 अभ्यार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं सायंकालीन सत्र में हुई लेवल-1 पीआरटी की परीक्षा में 2865 में से 2282 अभ्यार्थी शामिल हुए और 583 गैरहाजिर रहे। इससे पहले दिन शनिवार को लेवल-3 पीजीटी की परीक्षा भी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई, जिला के 13 परीक्षा केंद्र पर 3347 कैंडिडेट ने परीक्षा दी थी, वहीं 563 अभ्यार्थी अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला ने बताया कि जिले में दोनों दिन परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई है। तीनों लेवल की परीक्षा के लिए 24 केंद्र बनाए गए थे जिसमें कुल 14238 अभ्यार्थियों में से 12019 ने परीक्षा दी है जबकि 2219 अनुपस्थित पाए गए।

वादाखिलाफी को लेकर कर्मियों की जिला स्तरीय रैली 7 को

■ अगस्त में तीन दिवसीय हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणा सरकार द्वारा कर्मचारियों के साथ किए गए समझौतों को लागू न करने के विरोध में नगरपालिका और अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने एक बार फिर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। इसके तहत 7 जुलाई को फतेहाबाद में एक विशाल जिला स्तरीय रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली के माध्यम से जहां सरकार की वादाखिलाफी का पर्दाफाश किया जाएगा, वहीं आगामी 6, 7 और 8 अगस्त को होने वाली तीन दिवसीय राज्यव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान होगा। नगरपालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान विजय ढाका ने बताया कि गत मई महीने में नगरपालिका कर्मचारियों की 14 दिनों की ऐतिहासिक हड़ताल और फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के आंदोलन के बाद, 13 मई को सरकार के साथ एक लिखित समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों को स्वीकार करते हुए उन्हें 30 जून तक लागू करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन समय सीमा बीत जाने के बाद भी सरकार ने इस संबंध में कोई प्रशासनिक आदेश जारी नहीं किए हैं, जिससे प्रदेशभर के कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। सफाई कर्मचारियों और ग्रुप-सी व डी के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, ठेका प्रथा को पूरी तरह समाप्त कर समान काम के लिए समान वेतन देने, गुरुग्राम के 3480 कर्मचारियों सहित सभी छंटनीग्रस्त कर्मियों को वापस ड्यूटी पर लेने, फायर विभाग के ड्राइवरों व फायरमैन को फायर ऑपरेटर के पदों में मर्ज कर नियमित करने, ड्यूटी के दौरान दुर्घटना में मृत्यु होने पर 50 लाख का बीमा और आश्रित को नौकरी देने आदि मांगों पर अभी तक आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

तैयारियां पूरी

नगरपालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान विजय ढाका, राज्य ऑडिटर सुखदेव सिंह, जिला सचिव रविंदर और इकाई प्रधान नरेश राणा ने बताया कि 7 जुलाई को होने वाली जिला स्तरीय रैली की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। फतेहाबाद जिले की सभी नगरपालिकाओं और नगर परिषदों के कर्मचारियों को लामबंद करने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने समय रहते समझौते के आदेश जारी नहीं किए, तो 6 से 8 अगस्त तक होने वाली तीन दिवसीय हड़ताल ऐतिहासिक होगी। इस दौरान यदि प्रदेश की सफाई और अग्निशमन व्यवस्था प्रभावित होती है, तो इसकी शत-प्रतिशत जिम्मेदारी हरियाणा सरकार की होगी।

पूर्व सरपंच के शरीर में धंसे मिले 40 छर्रे, 5 पर एफआईआर

■ गांव खाराखेड़ी में हत्या का मामला, सीसीटीवी फुटेज पुलिस जांच में अहम कड़ी साबित हो रही

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले के गांव खाराखेड़ी के पूर्व सरपंच राजेंद्र खिलेरी की हत्या के मामले में पुलिस ने मृतक के भतीजे सौरव के बयान पर गांव के निलंबित सरपंच संजय कुमार और विनोद कुमार समेत पांच आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। दिवंगत पूर्व सरपंच का रविवार को उनके पैतृक गांव में बिश्नोई समाज की परंपरा के अनुसार गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। बता दें कि राजेन्द्र खिलेरी की शनिवार शाम को गांव खाराखेड़ी के पास स्थित रंगला पंजाब ढाबे पर कुछ बदमाशों ने गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। पूर्व सरपंच के शरीर पर 40 छर्रे धंसे मिले है। घटनाक्रम का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जो पुलिस की जांच में अहम कड़ी साबित हो रहा है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि शनिवार शाम करीब 5:57 बजे तीन युवक नेशनल हाईवे की तरफ से आते हैं। वे ढाबे के साथ बनी दीवार के टूटे हिस्से की तरफ से अंदर दाखिल होते हैं और वहां कुर्सी पर बैठे पूर्व सरपंच पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा देते हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी उसी रास्ते से फरार हो जाते हैं।

फतेहाबाद। मृतक राजेन्द्र खिलेरी को अंतिम विदाई देते ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

भतीजे ने बयां किया खौफनाक मंजर

पुलिस को दिए बयान में पूर्व सरपंच के भतीजे सौरव ने बताया कि शनिवार शाम वह अपने ताऊ राजेंद्र खिलेरी के साथ रंगला पंजाब ढाबे पर बैठकर चाय पी रहा था। इसी दौरान दो बाइकों पर सवार होकर जिले सिंह उर्फ सेठी, विनोद गोदारा, विक्रम गोदारा और हरीश हाथों में पिस्तौल लेकर आए। उनके साथ 2-3 अन्य युवक भी थे। आरोपियों ने पास आते ही ललकारा और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलियां पूर्व सरपंच के सिर और छाती में लगीं, जिससे वह जमीन पर गिर पड़े। सौरव ने जमीन पर लेटकर अपनी जान बचाई। शोर सुनकर जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो आरोपी अपनी बाइक वहीं छोडकर भाग निकले।

चुनावी रंजिश और ढाबे के ठेके का विवाद

पुलिस इस सनसनीखेज हत्याकांड की जांच कई एंगल से कर रही है। बताया जा रहा है कि जिस जगह वारदात हुई, वह ढाबा पंचायत की जमीन पर बना है। पहले इस ढाबे का ठेका वर्तमान निलंबित सरपंच के रिश्तेदार के पास था, जो बाद में राजेंद्र खिलेरी के परिवार को मिल गया। पुलिस इस विवाद के साथ-साथ चुनावी रंजिश और पारिवारिक रंजिश को भी ध्यान में रखकर तफ्तीश आगे बढ़ा रही है।

डॉक्टरों ने छर्रे निकालकर जांच के लिए रखे

पूर्व सरपंच राजेंद्र खिलेरी के शव का रविवार को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में पोस्टमॉर्टम किया गया। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई गई। दोपहर करीब 12 बजे तक पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई चली। देसी कट्टों से फायरिंग होने के कारण उनके शरीर में 40 से अधिक छर्रे धंस गए थे। उनके गले में एक ही गोली लगी हुई थी। पोस्टमॉर्टम के दौरान डॉक्टरों ने शरीर से ये छर्रे निकालकर जांच के लिए सुरक्षित रख लिए।

बीएनएस और आम्स एक्ट के तहत मामला दर्ज

सदर थाना प्रभारी प्रहलाद राय ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के अलावा आम्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। सदर थाना पुलिस, सीआईए फतेहाबाद समेत 4 टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। इस मामले में हिसार और सिरसा पुलिस से भी संपर्क साधकर अलर्ट जारी किया गया है।

चूरापोस्त तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने गश्त व चेकिंग के दौरान गांव बणी क्षेत्र से बाइक सवार दो युवकों को एक किलो 136 ग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। करीवाला पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव बणी से होते हुए सुरेवाला की तरफ जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक आते दिखाई दिए, जो कि पुलिस को देखकर बाइक को वापस मोडकर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर बाइक सवार युवकों को काबू कर तलाशी ली तो उनके कब्जे से एक किलो 136 ग्राम चूरा पोस्त बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सतनाम सिंह व गुरचरण सिंह के रुप में हुई है। पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ थाना रानियां में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। उन्होंने बताया कि आरोपियों अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

बीघड़ नहर में डूबे पिता-पुत्र का नहीं मिला सुराग

फतेहाबाद। शहर से सटे गांव बीघड़ के पास नहर में डूबे नेपाली मूल के पिता-पुत्र का रविवार को दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं मिला। शनिवार दोपहर हुए हादसे के बाद से पुलिस, स्थानीय गोताखोर और हिसार से पहुंची एसडीआरएफ की टीम लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। तेज जल बहाव के कारण तलाश अभियान में काफी दिक्कतें आ रही हैं।जानकारी के अनुसार, नेपाल निवासी विष्णु गांव बीघड़ स्थित एक पोल्ट्री फार्म पर पत्नी के साथ मजदूरी करता था। शनिवार को वह अपने 17 वर्षीय बेटे सुभाष और साथी बीरु के साथ नहर में नहाने गया था। इस दौरान सुभाष गहरे पानी में डूबने लगा। बेटे को बचाने के लिए विष्णु और बीरु ने तुरंत छलांग लगा दी। बीरु तो किसी तरह बाहर निकल आया, लेकिन विष्णु और सुभाष तेज बहाव में बह गए।पोल्ट्री फार्म संचालक ने बताया कि सुभाष करीब 10 दिन पहले ही अपनी मां के साथ नेपाल से आया था। परिवार उसके आने की खुशियां मना ही रहा था कि यह हादसा हो गया। मां का रो-रोकर बुरा हाल है। रविवार को एसडीआरएफ ने आधुनिक उपकरणों से कई स्थानों पर तलाश की, लेकिन समाचार लिखे जाने तक दोनों का कोई पता नहीं चल सका।

कार सवार तीन युवक हेरोइन सहित गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए सिरसा पुलिस ने गांव मल्लेकां क्षेत्र से कार सवार तीन युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 8 ग्राम 31 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की है। सीआईए सिरसा प्रभारी ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार की किए गए युवकों की पहचान साहिल, प्रगट सिंह व बलविंदर सिंह निवासी जिला सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव मल्लेकां से होते हुए फेफना की तरफ जा रही थी। इस दौरान मल्लेकां नहर पुल के नजदीक सामने से एक कार आती दिखाई दी। कार सवार युवकों ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक कार को नहर के कच्चा रास्ते की तरफ मोडक़र भागने का प्रयास किया। पुलिस ने शक के आधार पर कार में सवार तीनों युवकों को काबू कर तलाशी ली तो उनके कब्जे से 8 ग्राम 31 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार की किए गए युवकों के खिलाफ थाना सदर सिरसा में मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई। सीआईए प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान हेरोइन तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में नाम पता मालूम कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महिला के साथ मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

रतिया। एक महिला के साथ मारपीट करने और उसका दांत तोडऩे के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर रतिया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान कोलगढ़ निवासी ओमप्रकाश उर्फ कद्दू पुत्र रामफल के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि कोलगढ़ निवासी कांतो बाई पत्नी हरदेव ने पुलिस को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, बीती 2 जुलाई की शाम को जब वह अपने घर पर मौजूद थीं, तब आरोपी ओमप्रकाश उर्फ कद्दू गली में खड़ा होकर गाली-गलौज कर रहा था। जब पीड़ित महिला ने उसे ऐसा करने से मना किया, तो आरोपी ने तैश में आकर उन्हें धक्का देकर नीचे गिरा दिया और उन पर मुक्कों से हमला कर दिया।

धर्म-कर्म मंदिरों में विशेष पूजा, रुद्राभिषेक, कांवड़ यात्रा के साथ होंगे धार्मिक कार्यक्रम

30 जुलाई से शुरू होगा सावन मास, पहला सोमवार 3 अगस्त को, शिवमंदिरों में गूंजेंगे बम-बम भोले के जयकारे

■ भगवान शिव की पूजा के लिए इससे शुभ समय दूसरा नहीं होता

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सावन का महीना आते ही शिव मंदिरों में घंटियों की गूंज, बोल बम के जयकारे और भक्तों की आस्था पूरे माहौल को भक्तिमय बना देती है। कई लोग पूरे साल इस महीने का इंतजार करते हैं क्योंकि मान्यता है कि भगवान शिव की पूजा के लिए इससे शुभ समय दूसरा नहीं होता। पंचांग के अनुसार इस बार श्रावण मास 30 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक रहेगा। इस दौरान चार सावन सोमवार पड़ेंगे, जिनका धार्मिक महत्व बेहद खास माना जाता है। श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि पंचांग के मुताबिक साल 2026 में श्रावण मास की शुरुआत 30 जुलाई वीरवार से होगी, वहीं इसका समापन 28 अगस्त शुक्रवार को होगा। पूरे महीने देशभर के शिव मंदिरों में विशेष पूजा, रुद्राभिषेक, कांवड़ यात्रा और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। धार्मिक मान्यता है कि इस पूरे महीने में भगवान शिव की सच्चे मन से आराधना करने पर मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

मंत्र जाप और पाठ का विशेष महत्व

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि पूजा के दौरान ओम नमः शिवाय मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करना शुभ माना जाता है। इसके साथ शिव चालीसा और रुद्राष्टक का पाठ भी किया जा सकता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मंत्र जाप से मन शांत होता है और व्यक्ति का ध्यान भगवान शिव की भक्ति में लग जाता है। यही कारण है कि सावन के महीने में सुबह और शाम दोनों समय शिव मंत्रों का जाप करने की सलाह दी जाती है। पंडित सोनू शर्मा के अनुसार सिर्फ पूजा करना ही नहीं, बल्कि अपने व्यवहार और खानपान का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए।

पहले सावन सोमवार पर करें ये शुभ काम

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि सावन का पहला सोमवार बेहद शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पूरे श्रद्धा भाव से की गई पूजा भगवान शिव को जल्दी प्रसन्न करती है। इस दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और साफ या सफेद रंग के कपड़े पहनें। इसके बाद शिवलिंग पर गंगाजल, शुद्ध जल, दूध, दही और शहद से अभिषेक करें। पूजा में बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल और भस्म अर्पित करना भी शुभ माना जाता है। अगर घर के पास शिव मंदिर है तो वहां जाकर जलाभिषेक करना और भगवान शिव के दर्शन करना भी शुभ फलदायी माना जाता है। कई परिवार इस दिन पूरे परिवार के साथ पूजा करते हैं, जिससे घर का माहौल भी सकारात्मक बना रहता है।

सावन के सोमवार

1. पहला सावन सोमवार : 3 अगस्त 2026
2. दूसरा सावन सोमवार : 10 अगस्त 2026
3. तीसरा सावन सोमवार : 17 अगस्त 2026
4. चौथा सावन सोमवार : 24 अगस्त 2026

सावन का धार्मिक महत्व

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार श्रावण मास को भगवान शिव का प्रिय महीना माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस पूरे महीने में की गई पूजा, जप, व्रत और अभिषेक का कई गुना फल मिलता है। इसी वजह से देशभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिलती है।

हेरोइन तस्करी के दो मुख्य सप्लायर काबू

फतेहाबाद। जिले में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस को सफलता मिली है। थाना सदर टोहाना और थाना सदर रतिया पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए हेरोइन तस्करी के दो मुख्य सप्लायरों को काबू किया है। थाना सदर टोहाना प्रभारी निरीक्षक वीर सिंह ने बताया कि बीती 2 जुलाई को दर्ज एक मामले में पुलिस ने पहले प्रिंस नामक युवक को 6.67 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान सामने आया कि इस हेरोइन का मुख्य सप्लायर ढाणी नूरपुर दिवाना निवासी मुकेश पुत्र कालूराम था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दबिश देकर आरोपी मुकेश को काबू कर लिया है। दूसरी ओर, थाना सदर रतिया पुलिस ने भी हेरोइन तस्करी के एक नेटवर्क को तोड़ा है।

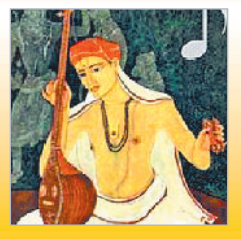

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रेम विवाह से बिखरता सामाजिक और पारिवारिक प्रेम

पुराने समय से ही एक गांव या गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

मंथन

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत की आत्मा इसके गांवों में बसती है। इस सन्दर्भ में बात जब हरियाणा की हो तो हम पाते हैं कि यहां का समाज भाईचारे और सामूहिक सोच की एक बहुत मजबूत डोर है। आज वैश्वीकरण और महानगरों की अंधी दौड़ ने इस पुराने सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक हिला दिया है। इसका सबसे बड़ा और विवादित रूप प्रेम विवाह के रूप में सामने आ रहा है। आज की युवा पीढ़ी इसे अपनी आज़ादी और संवैधानिक अधिकार मानती है, जबकि गांव के बुजुर्ग और माता-पिता इस बदलाव से बहुत डरे हुए तथा लाचार प्रतीत होते हैं।

यह सिर्फ दो पीढ़ियों की सोच का अंतर नहीं है, बल्कि पुरानी मर्यादाओं और आधुनिकता के बीच का वह टकराव है, जिसकी वजह से ग्रामीण समाज एक गहरी मानसिक चिंता में है। हमारे समाज में अप्रत्याशित सकारात्मक बदलाव हुए हैं। जो बेटियां कल तक घर के चौके-चूल्हे तक सीमित थीं, वे आज बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ रही हैं। माता-पिता अपनी जिंदगी भर की कमाई और जमीन-जायदाद दांव पर लगाकर बच्चों को इस उम्मीद से बाहर भेजते हैं कि वे समाज में उनका नाम रोशन करेंगे। इसी के साथ उन माता-पिता के दिलों में एक गहरा डर भी बैठ गया है। हर उस पिता की रातें बेचैनी में कटती हैं जिसके बच्चे शहर में पढ़ रहे हैं। उन्हें हर पल यह डर सताता है कि कहीं उनके बच्चे शहर की चकाचौंध में बहकर कोई ऐसा कदम न उठा लें, जिससे सदियों पुराना पारिवारिक सम्मान एक झटके में खत्म हो जाए। जब कोई बच्चा परिवार की मर्जी और सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ जाकर अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनता है तो इसका सबसे बड़ा दुख उन बूढ़े माता-पिता को होता है जिन्होंने उसे उंगली पकड़कर चलना सिखाया था। इस पूरी स्थिति का एक दूसरा पहलू भी है जिसे समझना बहुत जरूरी है। जहां पुराना समाज सामूहिक सोच को सबसे ऊपर रखता है, वहीं आज की आधुनिक शिक्षा प्राप्त युवा पीढ़ी अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों को जीवन का आधार मानती है। हमारा संविधान भी सबको अपनी पसंद से जीने और जीवनसाथी चुनने का हक देता है। आज का युवा वर्ग जाति-पाति, भारी दहेज प्रथा और जबरदस्ती थोपे गए बेमेल विवाह जैसी पुरानी कुरीतियों से आज़ाद होना चाहता है। उनके लिए शादी सिर्फ दो परिवारों का समझौता नहीं, बल्कि दो लोगों के विचारों का मिलना है। कई बार जब युवा देखते हैं कि पारंपरिक शादियों में भी महिलाओं को दहेज या घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है तो वे अपनी पसंद की शादी की तरफ ज्यादा झुकते हैं। इसलिए उनके इस कदम को सिर्फ मनमानी कहना गलत होगा क्योंकि यह कई बार समाज की रूढ़िवादी सोच के खिलाफ एक शांतिपूर्ण विद्रोह भी होता है। इस आधुनिकता में एक बहुत बड़ा और अजीब विरोधाभास भी है। हरियाणा के गांवों में अपनी सीमा और गोत्र में शादी न करने का नियम केवल कोई अंधविश्वास या रूढ़िवादी परंपरा नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत ही मजबूत वैज्ञानिक आधार है। पुराने समय से ही एक गांव या एक गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

2013 में नेचर रिव्यूज जेनेटिक्स और 2019 में द लैंसेट जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं की रिपोर्टें भी यह पुष्ट करती हैं कि खून के रिश्तों में शादी करने वाले समुदायों में ऑटोसॉमल रिसेसिव विकारों का स्तर बहुत ज्यादा होता है, जो बच्चों में गंभीर शारीरिक और मानसिक विकलांगता का कारण बनता है। इसलिए गोत्र बदलकर शादी करना कोई पिछड़ापन नहीं, बल्कि आनुवंशिक विविधता को बचाकर बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का एक परखा हुआ वैज्ञानिक तरीका है। जब कोई युवा इस वैज्ञानिक सत्य को दरकिनार कर अपने ही गांव या गोत्र में शादी करता है तो यह केवल एक सामाजिक नियम का टूटना नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी की सेहत से खिलवाड़ और पूरे गांव के विश्वास की हत्या मानी जाती है। यह परिवार के लिए एक ऐसा मानसिक दुख बन जाता है, जहां वे समाज को यह नहीं समझा पाते कि जिस रिश्ते को कल तक भाई-बहन माना जाता था, वह अचानक पति-पत्नी कैसे बन गया। इस सामाजिक भूचाल के पीछे गहरा आर्थिक कारण भी है।

खेती पर निर्भरता घटने और बड़े शहरों के विकसित होने से युवा काम की तलाश में तेजी से शहरों की तरफ गए हैं। पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़े होने के बाद वे खुद को पारिवारिक बंधनों से आज़ाद समझने लगते हैं। शहर के अनाम माहौल में, जहां कोई किसी की जाति या गांव नहीं पूछता, युवाओं के लिए गोत्र या गांव के भाईचारे की दीवारें बेमानी हो जाती हैं और उनकी अपनी पसंद ही सबसे बड़ी हो जाती है। इस टकराव के कारण कई बार सम्मान के नाम पर हत्या यानी ऑनर किलिंग जैसी दुखद घटनाएं भी सामने आती हैं। किसी भी मनुष्य की जान लेना पूरी तरह से अनुचित और अमानवीय अपराध है। पुराने समय में खाप पंचायतों ने समाज को जोड़े रखने का काम किया था, लेकिन बदलते समय में उनके कुछ कड़े फैसलों और सामाजिक बहिष्कार जैसे कदमों से उनकी छवि प्रभावित हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि अब कई समझदार खाप पंचायतें भी अपनी सोच में लचीलापन ला रही हैं और गांव या गोत्र की मर्यादा न टूटने की शर्त पर अंतर-जातीय विवाहों को धीरे-धीरे स्वीकार करने लगी हैं। आज स्थिति यह है कि अपनी मर्जी से शादी करने वाले बच्चे अपने ही माता-पिता से जान का खतरा बताकर कोर्ट में सुरक्षा मांगते हैं। वहीं दूसरी तरफ, झूठी प्रतिष्ठा की आड़ में माता-पिता या भाइयों द्वारा अपने ही बच्चों की जान लेने की घटनाएं समाज को शर्मसार कर रही हैं। सरकारें और कानून प्रेम विवाह करने वालों को पुलिस सुरक्षा, आश्रय और आर्थिक मदद दे रहे हैं। कानून की नजर में यह अधिकारों की रक्षा हो सकती है, लेकिन समाज के उन लाचार माता-पिता की स्थिति कोई नहीं देखता, जिनका बच्चा रातों-रात पुलिस के साए में घर छोड़कर चला गया। व्यवस्था को ऑनर किलिंग की चिंता है, लेकिन उस सोशल किलिंग या सामाजिक मृत्यु का क्या, जो हर दिन उन बेबस माता-पिता की होती है? वे समाज के तानों और तिरस्कार के बीच जीते हैं, जो किसी भी शारीरिक मृत्यु से कहीं ज्यादा क्रूर और अंतहीन है।

> भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई।

भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई। यह शर्मिंदगी सिर्फ झूठे अहंकार की नहीं होती, बल्कि यह एक गहरा अपराध बोध होता है कि वे अपने बच्चे को अच्छे संस्कार देने में नाकाम रहे। यह मानसिक प्रताड़ना किसी भी शारीरिक चोट से ज्यादा जानलेवा होती है।भारतीय संस्कृति कभी प्रेम के खिलाफ नहीं रही है। हमारी परंपरा में राधा-कृष्ण और शिव-पार्वती के अलौकिक प्रेम को पूजा जाता है। हमारे समाज में प्रेम का आधार हमेशा त्याग, संयम, जिम्मेदारी और पूरे परिवार को साथ लेकर चलना रहा है। लेकिन आज आधुनिकता, रील संस्कृति और सोशल मीडिया के प्रभाव में जिसे प्रेम कहा जा रहा है, वह ज्यादातर सिर्फ एक क्षणिक शारीरिक आकर्षण और मानसिक अपरिपक्वता का छलावा है। जब कुछ महीनों या सालों में यह आकर्षण खत्म होता है और जीवन की असली चुनौतियाँ तथा आर्थिक तंगी सामने आती है तो ऐसे विवाह अक्सर घरेलू हिंसा, आपसी नफरत, तलाक और वीभत्स अपराधों में बदल जाते हैं। तब उन युवाओं के पास न तो समाज का सहारा बचता है और न ही वे माता-पिता को मुँह दिखाने लायक रहते हैं।इस सामाजिक जटिलता का हल केवल कानून के डंडे या खाप के कड़े बहिष्कारों से नहीं निकल सकता। इसके लिए सभी पक्षों को मिलकर बीच का रास्ता खोजना होगा। माता-पिता को बच्चों पर अपनी मर्जी थोपने के बजाय उनके साथ मित्रवत संवाद स्थापित करना होगा और मार्गदर्शक बनना होगा। युवाओं को भी यह समझना चाहिए कि स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं है।

क्षण भर के आकर्षण के लिए अपने जन्म देने वाले माता-पिता को समाज के तानों के बीच घुट-घुट कर मरने के लिए छोड़ देना कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है। उन्हें भागने के बजाय धैर्यपूर्वक अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का परिपक्व प्रयास करना चाहिए। खाप और चौपालों को भी बदलते समय के साथ युवाओं और माता-पिता के बीच बातचीत का पुल बनना चाहिए। सरकारों को 'सेफ हाउस' बनाने के साथ-साथ व्यापक स्तर पर पारिवारिक और सामाजिक काउंसलिंग पर भी ध्यान देना चाहिए। जब तक हम अपनी जड़ों, अपने भाईचारे और अपने संस्कारों का संरक्षण एक आधुनिक और लचीले दृष्टिकोण के साथ नहीं करेंगे, तब तक यह आधुनिकता खोखली ही रहेगी। हरियाणा ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत की वास्तविक सामाजिक और सांस्कृतिक सुंदरता तभी सुरक्षित रह सकती है जब यहाँ की चौपालों का गौरवशाली भाईचारा, परिवारों की मर्यादाएं और नई पीढ़ी के सपने, सब एक साथ मिलकर सुरक्षित रहेंगी।

ग़ज़ल — सत्यवीर नाहड़िया

साच कहण का टाळा

साच कहण का टाळा होग्या।
लोकलाज का गाळा होग्या।।

काक्का-ताऊ भाई पाच्छै,
सभतै आग्गै साळा होग्या।।

पिछली बरियाँ बाढ़ लूट ग्यी,
इबकै बैरी पाळा होग्या।।

काल्य तलक थी निरमल नदिया,
इब तै गंदा नाळा होग्या।।

सह्या नहीं जा-कह्या नहीं जा,
इसा ज्यान नै फाळा होग्या।।

तेराह ताळी भोत सुणी थी,
पर इब तेराह ताळा होग्या।।

पूत पीटते मात-पिता नै,
कळजुग कितणा काळा होग्या।।

नहीं नज़र म्हैं दया-धरम सै,
इसा आँख्य म्हैं जाळा होग्या।।

बेईमान नहीं वो नेता,
कह 'नाहड़िया' चाळा होग्या।।

कविता — भूपसिंह भारती

करो योग का नेम बावले

निकला जासै टेम बावले।
करो योग का नेम बावले।।

सुबह सबेरै उठ रोजाना,
खेल योग का गेम बावले।

बिना योग हो रोग भतेरे,
फेर करै तू क्लेम बावले।

फाइल फिरैगी दफ्तरां म्ह,
घणा करैगा ब्लेम बावले।

खांसी दमा बिमारी मेंटे,
योग मेट दे म्हेम बावले।

काया दमकै योग करां तै,
रहैगी कुशलछेम बावले।

इब योग दुनिया म्ह छाया,
मिलै योग तै फेम बावले।

कहै 'भारती' योग कराकर,
फेर मिलै हूर सी मेम बावले।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कर्मभूमि — कुरुक्षेत्र की पावन स्थली पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया था श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश

हरियाणा : शौर्य, स्वाभिमान और बलिदान का जीवंत शिलालेख

शौर्य गाथा

अंकुर शर्मा

हरियाणा महज एक राज्य का नाम नहीं है, बल्कि यह शौर्य, स्वाभिमान, त्याग और बलिदान का एक जीवंत शिलालेख है। यह एक कृषि प्रधान प्रदेश होने के साथ-साथ वीरों की जननी और धर्मरक्षकों की कर्मभूमि है। उत्तर-पश्चिम से आने वाले हर विदेशी आक्रांता को दिल्ली पहुंचने से पहले हरियाणा की माटी और यहां के वीरों के फौलादी सीनों से टकराना पड़ा। इस धरती की पहचान उसके खेतों से जितनी है, उतनी ही उसके रणबांकुरों से भी है। यहाँ हल की फाल और तलवार की धार, दोनों को समान आदर के साथ पूजा जाता है। हरियाणा का इतिहास वस्तुतः भारत की रक्षा का इतिहास है और यहां की वीर गाथाएं भारतीय उपमहाद्वीप के स्वाभिमान की धुरी रही हैं।

हरियाणा की शूरवीरता की जड़ें अत्यंत गहरी और पौराणिक हैं, जिसका सूत्रपात महाभारतकालीन कुरुक्षेत्र से होता है। कुरुक्षेत्र का मैदान केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि न्याय, धर्म और कर्म का सबसे बड़ा दार्शनिक केंद्र है। इसी धर्मभूमि पर महाभारत का महासमर लड़ा गया, जहां भीष्म पितामह के व्रत, कर्ण के पराक्रम, अभिमन्यु के अद्वितीय बलिदान तथा अर्जुन के शौर्य ने वीरता की अमिट मिसालें स्थापित कीं। यहीं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया गया, जो अन्याय के विरुद्ध शस्त्र उठाने और फल की इच्छा से मुक्त होकर कर्तव्य-पथ पर डटे रहने का सबसे बड़ा दार्शनिक उपदेश है। मध्यकाल में विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध संघर्ष ने हरियाणा की वीरता को नई पहचान दी। इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्धों में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया। रेवाड़ी के वीर सपूत हेमचंद्र विक्रमादित्य (हेमू) इस परंपरा के सबसे तेजस्वी नक्षत्र हैं। एक साधारण परिवार में जन्म लेकर उन्होंने अपने अदम्य साहस से दिल्ली के सिंहासन तक का सफर तय किया और 1556 के द्वितीय पानीपत युद्ध में अंतिम क्षण तक रणभूमि में डटे रहे। इसी तरह हसन ख़ाँ मेवाती जैसे योद्धाओं ने खानवा के युद्ध में राणा साँगा के साथ मिलकर विदेशी सत्ता का सामना किया, जो यह सिद्ध करता है कि यहां की वीरता जाति या संप्रदाय से ऊपर उठकर मातृभूमि को समर्पित रही है। मुगल काल में औरंगजेब की क्रूर नीतियों के खिलाफ तिलपत के गोकुला जाट के नेतृत्व में किसानों का विद्रोह इस बात का प्रमाण है कि यहां का सामान्य कृषक भी समय आने पर अपना हल छोड़कर खड्ग उठाने में संकोच नहीं करता। जब 1857 में भारत ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ प्रथम स्वाधीनता संग्राम का बिगुल फूंका तो उसकी पहली चिंगारी 10 मई को मेरठ से भी कुछ घंटे पूर्व अम्बाला छावनी में सुलग चुकी थी। इस महासंग्राम में हरियाणा के रजवाड़ों और आम जनता ने मिलकर अभूतपूर्व वीरता का प्रदर्शन किया। अहीरवाल क्षेत्र में राव तुलाराम ने अंग्रेजों की विशाल सेना को नाकों चने चबवा दिए। बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह, झज्जर के नवाब अब्दुर रहमान खान और फर्रुखनगर के नवाब अहमद अली गुलाम खान जैसे देशभक्तों ने हंसते-हंसते फाँसी के फंदे चूम लिए, परंतु गुलामी स्वीकार नहीं की। हिसार, हांसी और रोहतक के गांवों में साधारण किसानों ने अपने पारंपरिक हथियारों से तोपों का सामना किया। इस दौरान हजारों गांव जला दिए गए, अनगिनत युवाओं को सरेआम पेड़ों से लटका कर फांसी दे दी गई लेकिन हरियाणा का स्वाभिमान नहीं झुका। आधुनिक सैन्य इतिहास में भी हरियाणा का योगदान अतुलनीय है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर आजादी के बाद के हर संघर्ष में यहां के सैनिकों ने शहादत दी है।

1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की बर्फीली चोटियों पर मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में 13 कुमाऊं रेजिमेंट की अहीर कंपनी के 114 जवानों ने आखिरी गोली और आखिरी सांस तक लड़कर हजारों चीनी सैनिकों को रोके रखा। 1965, 1971 और कारगिल युद्ध में भी इस प्रदेश के सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया, जिसमें परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर होशियार सिंह का शौर्य सैन्य इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। यही कारण है कि आज भी भारतीय सशस्त्र बलों में हर दसवां सैनिक इसी माटी का है और सैनिक का सम्मान यहां की सामाजिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है।हरियाणा की वीर गाथाओं को कालजयी बनाने का काम यहाँ की समृद्ध लोक-संस्कृति, साँग परंपरा और हरियाणवी लोकगीतों ने किया है। इन लोकगीतों का दार्शनिक विवेचन स्पष्ट करता है कि इनमें केवल युद्ध का वर्णन नहीं है, बल्कि मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का एक गहरा जीवन-दर्शन छिपा है। इन वीर गाथाओं के साहित्यिक संरक्षण के लिए यह आवश्यक है कि ऐतिहासिक दस्तावेजों और मूल पांडुलिपियों का ही आश्रय लिया जाए। हरियाणा की वीर गाथाएं केवल इतिहास की किताबों में दर्ज अतीत का गौरव नहीं हैं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत हैं। वे यहाँ के लोक-जीवन, खेतों, अखाड़ों और रागिनियों में धड़कती हुई जीवंत परंपराएं हैं। कुरुक्षेत्र के धर्मयुद्ध से लेकर हेमू के स्वाभिमान, हसन ख़ाँ मेवाती के बलिदान, राव तुलाराम के संघर्ष और आधुनिक सेना के रणबांकुरों तक वीरता की यह अखंड परंपरा निरंतर प्रवाहित होती रही है। यह आवश्यक है कि इस गौरवशाली इतिहास को केवल स्मारकों तक सीमित न रखकर साहित्य और जनसंचार माध्यमों के द्वारा नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। जब भी भारत की वीरभूमियों का स्मरण होगा, अपने रक्त से राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखने वाली हरियाणा की इस वीर-प्रसूता भूमि का नाम सदैव अग्रिम पंक्ति में आदर के साथ लिया जाएगा।

> *इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्ध में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया।*

सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है मेहनत : रमेश मूर्ति

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा की दुनिया में कुछ ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और अभिनय के प्रति समर्पण के बल पर एक अलग पहचान बनाई है। उन्हीं कलाकारों में एक नाम है रमेश मूर्ति का। लगभग 26 वर्षों से रंगमंच और अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय रमेश मूर्ति ने अपने सशक्त अभिनय से न केवल मंच पर बल्कि हरियाणवी सिनेमा और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर भी दर्शकों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

'अखाड़ा', 'सांगी', 'कांड 2010', 'अग्निवीर' और 'लाइसेंस' जैसी फिल्मों व वेबसीरीज में उनके दमदार अभिनय को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। उन्होंने 'अखाड़ा' (सीरीज), 'बारहवीं वाला प्यार', 'कांड 2010', 'अग्निवीर', 'सांगी', 'पितरोष', 'ढाई दिन' और 'लाइसेंस' में अपनी लाजवाब अदाकारी से हरियाणवी सिनेमा मे अपनी अलग पहचान बनाई है। इसके अलावा, आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। रमेश मूर्ति को रंगमंच का शौक स्कूल के समय से ही था। स्कूल में एक स्किट में इन्होंने महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। बचपन में वे स्कूल से छुट्टी करके फ़िल्में और सांग देखने भी जाया करते थे। दसवीं की परीक्षा देने के बाद उन्होंने एक नाटक समूह बनाया और अनेक नाटक किए, जिन्हें परिवार के लोगों ने देखा। कहा जा सकता है कि रमेश मूर्ति की रंगमंच यात्रा उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक और सकारात्मक रही। इस सफ़र ने उन्हें स्वयं को समझने का अवसर दिया और साथ ही दूसरों को भी करीब से जानने का अनुभव मिला। रमेश रंगमंच को ही अपनी दुनिया मानते हैं। वे कहते हैं, 'गांव में सांग देखते समय मेरे मन में हमेशा यह भावना आती थी कि मैं भी एक दिन ऐसा कर सकता हूं।' वहीं से रंगमंच के प्रति उनका लगाव और गहरा होता चला गया। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच ही उसका परिवार और उसकी दुनिया होता है। जब भी हम रंगमंच से जुड़ते हैं, तो हमारे भीतर एक अलग भाव पैदा होता है और दुनिया को देखने का नजरिया बदल जाता है। उन्होंने स्टेज ऐप और सुपवा-दोनों के साथ काम किया है। इस दौरान उन्हें नए-नए लोगों से मिलने और बहुत कुछ नया सीखने का अवसर मिला। हरियाणवी सिनेमा के बारे में उनका मानना है कि वह अभी विकास के शुरुआती दौर में है (कुछ प्रोजेक्ट्स को छोड़कर)। हम जैसे कलाकारों को अभी और अधिक मेहनत करने की जरूरत है, ताकि हरियाणवी सिनेमा विश्व स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बना सके। 'कांड 2010', 'सांगी' और 'अग्निवीर' में रमेश की भूमिकाएं बेहद प्रभावशाली रही हैं। अभिनय की दृष्टि से 'सांगी' फ़िल्म में नानू का किरदार और 'अखाड़ा' में वीरभान का किरदार दर्शकों को विशेष रूप से पसंद आया। अभिनय के लिहाज से ये दोनों किरदार रमेश के दिल के बहुत करीब हैं। रमेश मूर्ति ने बताया कि जब भी उन्हें कोई किरदार मिलता है, तो वह सबसे पहले निर्देशक के साथ बैठकर उस किरदार पर विस्तार से चर्चा करते हैं। इसके बाद अपने विवेक से उस पात्र की उम्र, शारीरिक बनावट, उसके परिवेश, उसकी आदतों, उसके समय और उसकी मानसिक स्थिति को समझने की कोशिश करते हैं तभी वह पूरी तैयारी के बाद उस किरदार को पर्दे पर जीवंत रूप दे पाते हैं। रमेश मूर्ति ने रंगमंच और बड़े परदे दोनो जगह काम किया है। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में वे कई अंतर मानते हैं। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच पर प्रस्तुति देना सबसे अधिक आनंददायक होता है, क्योंकि वहां दर्शक सामने मौजूद होते हैं। कलाकार के हर संवाद और अभिनय पर तुरंत दर्शकों की प्रतिक्रिया मिलती है, जिससे उसका उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ता है। वहीं, कैमरे के सामने पूरी जिम्मेदारी कलाकार पर होती है। वहां तत्काल दर्शकों की प्रतिक्रिया नहीं मिलती, इसलिए कलाकार को अपने अभिनय पर पूरा भरोसा रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है। एक कलाकार के रूप में संघर्ष के दिनों ने रमेश को बहुत कुछ सिखाया, जिसे वे आज भी अपने साथ लेकर चलते हैं। उनके शब्दों में-'मुझे रंगमंच करते हुए लगभग 26 वर्ष हो चुके हैं। इस दौरान जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन मैंने एक ही बात सीखी-मेहनत और लगातार संघर्ष।' वे आगे कहते हैं, 'इस सफ़र में मुझे कई तरह के लोग मिले और जीवन को करीब से समझने का अवसर मिला। रंगमंच ने मुझे सम्मान दिया और लोगों को पहचानने की समझ भी दी।' हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछने पर रमेश मूर्ति ने बताया कि हरियाणा में रंगमंच से जुड़े कलाकार बहुत अच्छा और रचनात्मक काम कर रहे हैं। नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा में अपार संभावनाएं हैं और आने वाले समय में यह और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। आजकल यथार्थ और सामाजिक मुद्दों पर आधारित फ़िल्में अधिक बन रही हैं। हरियाणवी सिनेमा में लंबे अंतराल के बाद आई 'दादा लखमी' फ़िल्म एक मील का पत्थर साबित हुई। इस फ़िल्म ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। इससे हरियाणवी फ़िल्मों के प्रति लोगों का नज़रिया बदला और एक सकारात्मक माहौल बना। उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। उन्हें विश्वास है कि ये दोनों फ़िल्में दर्शकों को पसंद आएंगी और दर्शक उन्हें एक नए अंदाज़ में देखेंगे। आज के युवाओं को रमेश यही सलाह है कि वे अधिक से अधिक साहित्य पढ़ें, कविताएँ पढ़ें, नाटक पढ़ें, अच्छी फ़िल्में देखें और रंगमंच से अवश्य जुड़ें। अभिनय सीखने का सबसे अच्छा माध्यम थिएटर है। इसके साथ ही सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है-मेहनत, मेहनत और लगातार मेहनत। इनका मानना है कि हर बच्चे और हर युवा को जीवन में कम-से-कम एक बार रंगमंच से अवश्य जुड़ना चाहिए।

> एक अभिनेता के रूप में रमेश का मानना है कि किसी वास्तविक और समाज से जुड़े किरदार को रंगमंच या सिनेमा के माध्यम से दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना एक कलाकार के लिए सबसे सुखद अनुभव होता है। ऐसी फ़िल्में केवल मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि समाज को सकारात्मक संदेश भी देती हैं। इसलिए उन्हें इस तरह की फ़िल्मों का हिस्सा बनना हमेशा अच्छा लगता है।

जागो संस्था ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

फतेहाबाद में मानकों के विपरीत बने स्पीड ब्रेकर हटाने की मांग

ब्रेकर सुरक्षा के बजाय बन रहे दुर्घटनाओं का कारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सामाजिक जागो संस्था हरियाणा ने फतेहाबाद शहर में विभिन्न स्थानों पर बनाए गए मानकों के विपरीत स्पीड ब्रेकरों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर जनहित में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। संस्था का कहना है कि शहर में कई स्थानों पर बिना निर्धारित तकनीकी मानकों और सडक़ सुरक्षा नियमों का पालन किए स्पीड ब्रेकर बना दिए गए हैं, जिससे प्रतिदिन हजारों वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों, आटो रिक्शा, ई-रिक्शा तथा एंबुलेंस जैसे आपातकालीन वाहनों के लिए ये ब्रेकर बड़ी समस्या बन गए हैं। संस्था ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि शहर के भट्टू रोड, लघु सचिवालय के सामने, सेक्टर-3 मोड़, पुलिस लाइन के समीप सहित शहर के कई अन्य स्थानों पर बने स्पीड ब्रेकर निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हैं। अधिकांश ब्रेकर अत्यधिक ऊंचे, असमान तथा बिना उचित ढलान के बनाए गए हैं। कई स्थानों पर चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टिव पेंट और रोड मार्किंग तक नहीं की गई है, जिससे विशेषकर रात्रि के समय दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। जागो संस्था का कहना है कि इन ब्रेकरों का सबसे अधिक नुकसान छोटे वाहनों को हो रहा है, जबकि भारी वाहन पहले की तरह तेज गति से गुजर जाते हैं। ऐसे में सडक़ सुरक्षा का उद्देश्य भी पूरा नहीं हो पा रहा है। संस्था ने सुझाव दिया है कि यदि प्रशासन को किसी स्थान पर स्पीड ब्रेकर बनाना आवश्यक लगता है तो उनका निर्माण भारतीय सडक़ कांग्रेस के मानकों के अनुरूप ही किया जाए। शहर में पहले से परशुराम चौक और रतिया मोड़ पर बने स्पीड ब्रेकर अपेक्षाकृत मानकों के अनुसार हैं, इसलिए भविष्य में भी उसी प्रकार के वैज्ञानिक और सुरक्षित स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं।

फतेहाबाद। शहर की सड़क पर बना ब्रेकर।

निर्धारित नियमों के अनुसार बनाने की मांग

संस्था ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि शहर में बने सभी स्पीड ब्रेकरों का तकनीकी सर्वे कराया जाए, मानकों के विपरीत बने ब्रेकरों को हटाया जाए अथवा दोबारा निर्धारित नियमों के अनुसार बनाया जाए। साथ ही भविष्य में बिना तकनीकी स्वीकृति और सुरक्षा मानकों के किसी भी सडक़ पर स्पीड ब्रेकर बनाने पर रोक लगाई जाए, ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित और सुगम यातायात की सुविधा मिल सके। इस अवसर पर संरक्षक रिछपाल तरड़, प्रधान देवेंद्र सिंह दहिया, सुरेंद्र असीजा, प्रमोद बजाज, सेवा सिंह मुवाल, प्रदीप जांगड़ा, मिथलेश रोहिला, भारत गोयल, ब्राइट गोदारा आदि मौजूद रहे।

बच्चों को बांटी कॉपियां, वर्दी और पंखे

सेवा भारती स्कूल में किया वितरण, भविष्य में भी सहयोग का दिया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गौ सेवा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में हमेशा अग्रणी रहने वाली प्रमुख संस्था श्री श्याम गौ सेवा समिति ने एक बार फिर मानवता और सेवा की मिसाल पेश की है। समिति द्वारा आज सेवा भारती स्कूल में एक विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली बच्चों की सहायता के लिए जरूरी शिक्षण सामग्री और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के दौरान समिति की ओर से बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए 800 कॉपियां, 20 बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म और कक्षाओं के लिए 2 पंखे भेंट किए गए। इस मदद को पाकर स्कूली बच्चों के चेहरे खिल उठे। समिति के पदाधिकारियों ने स्कूल प्रशासन को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी बच्चों की शिक्षा और सुविधाओं के लिए हरसंभव सहयोग जारी रहेगा। इस अवसर पर श्री श्याम गौ सेवा समिति के प्रमुख सदस्य गौरव बंसल ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि गौ माता की सेवा हमारा परम कर्तव्य है, लेकिन इसके साथ-साथ समाज के वंचित और जरूरतमंद तबके की सहायता करना ही हमारी समिति का मुख्य उद्देश्य है। शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और इसमें कोई भी कमी नहीं आनी चाहिए। हमारा यह छोटा सा प्रयास बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा।

फतेहाबाद। सेवा भारती स्कूल में बच्चों को स्टेशनरी वितरित करते श्री श्याम गौ सेवा समिति के सदस्य।

सदस्यों ने जताई प्रसन्नता

समिति के सदस्यों ने कहा कि सेवा भारती स्कूल में आकर और यहां के कार्यों को देखकर बेहद प्रसन्नता हुई है। इतनी निष्ठा के साथ बच्चों को संस्कारवान और शिक्षित बनाना वाकई सराहनीय है। श्री श्याम गोसेवा समिति का यह कदम समाज के अन्य लोगों के लिए भी एक बड़ी प्रेरणा है। इस मौके पर संस्था के कई गणमान्य सदस्य, शिक्षक और बच्चे उपस्थित रहे।

हुडा सेक्टर-20 आरडब्ल्यूए की बैठक 10 को

सिरसा। हुडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-20, पार्ट-1 व 2 के विकास और संगठन की मजबूती को लेकर आगामी 10 जुलाई को शाम 6 बजे स्थानीय लक्ष्मीनारायण मंदिर में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक होगी। बैठक में मुख्य रूप से सेक्टरवासियों को आ रही विभिन्न मूलभूत एवं नागरिक समस्याओं के स्थायी समाधान पर गहन मंथन किया जाएगा, साथ ही एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के गठन व आगामी चुनाव प्रक्रिया को लेकर सभी सदस्यों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श होगा। आरडब्ल्यूए प्रबंधन ने सेक्टर के नीतिगत निर्णयों और सामूहिक विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी सम्मानित सदस्यों से तय समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का पुरजोर आग्रह किया है।

'जल संरक्षण की कहानी, कवियों की जुबानी' काव्य सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नीर धरोहर सोसायटी मताना के तत्वावधान में हरियाणा कला संस्कृति मंच और साहित्य संगीत कला मंच फतेहाबाद द्वारा जल संरक्षण की कहानी, कवियों की जुबानी काव्य सम्मेलन का आयोजन बचपन प्ले स्कूल मताना में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जींद के जिला सलाहकार एवं हरियाणा कला संस्कृति मंच फतेहाबाद के जिला अध्यक्ष डॉ. रणधीर मताना उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ सुदामा शास्त्री ने की। मंच संचालन कवि एवं साहित्यकार देवेंद्र कुमार अशंक ने किया। कार्यक्रम में पहुंचे अनेक कवियों ने जल संरक्षण पर अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर समा बांध दिया। रणधीर मताना ने जल संरक्षण पर कहा कि जीवन के लिए जल संरक्षण बहुत जरूरी है, इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। आज हर व्यक्ति को जल संरक्षण के प्रति जागरूक होने की जरूरत है।

फतेहाबाद। सम्मेलन में रचनाएं प्रस्तुत करते कवि।

अनगिनत बीमारियों का रामबाण उपचार है योग: नरेंद्र

सिरसा। डबवाली रोड स्थित श्रीमत सिटी सेंटर के रेलवे पार्क में महात्मा बुद्ध योग संस्था द्वारा चलाई जा रही योगा क्लास में सिरसा नगरपरिषद के प्रधान वीरशांति स्वरूप, डॉ. जतिन और ग्लोबल स्कूल की प्रिंसिपल सुमन अरोड़ा मुख्य रूप से योग साधकों के बीच पहुंचे और योग की जानकारी प्राप्त की। साथ ही लोगों के बीच अपने विचार सांझे किए। इस अवसर पर संस्था द्वारा आए हुए मेहमानों का पटका पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान नरेंद्र योगी ने योग क्रियाएं करवाई व संस्था से जुड़े सभी योग साधकों को मेडल पहनाकर मुख्य मेहमानों द्वारा सम्मानित किया गया। नरेंद्र योगी ने बताया कि जो लोग नियमित योग कक्षा में आएंगे, उन्हें भी इसी तरह गणमान्य लोगों द्वारा सम्मानित करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय योग पद्धति को विदेशों ने भी अपनाया है, क्योंकि यह पद्धति न केवल हमें शारीरिक रूप से स्वस्थ रखती है, बल्कि अनगिनत बिमारियों से भी बचाती है।

जनता चाहती है प्रभावी कानून व्यवस्था : सैलजा

सांसद ने हड़ौली में किया कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद कुमारी सैलजा ने जिले के खाराखेड़ी गांव में पूर्व सरपंच राजेंद्र खिलेरी की दिनदहाड़े गोली मारकर की गई हत्या की कड़ी निंदा की है। उनका कहना है कि यह घटना अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस जघन्य हत्या के दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि अपराधियों में कानून का भय स्थापित हो सके। सांसद कुमारी सैलजा ने रविवार को जिला फतेहाबाद के रतिया क्षेत्र के गांव हड़ौली में नागपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय के उद्घाटन उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। कुमारी सैलजा ने हरियाणा की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार हत्या, लूट, डकैती, गोलीबारी, फिरौती तथा महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे आम नागरिकों में भय और असुरक्षा का वातावरण बन गया है।

फतेहाबाद। गांव हड़ौली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद कुमारी सैलजा।

कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा आम जनता की आवाज को मजबूती से उठाने वाली पार्टी रही है। प्रत्येक कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए उनके अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़े। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद शर्मा, विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया, जयपाल सिंह लाली, नागपुर ब्लॉक अध्यक्ष गुरजिंदर जोहल, देवराज हड़ौली, रतिया ब्लॉक अध्यक्ष गुरसेवक आदि मौजूद रहे।

अवैध पिस्तौल के साथ आरोपी युवक गिरफ्तार

32 बोर पिस्तौल और खाली मैगजीन बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा अपराधियों और अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर रतिया पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को बिना लाइसेंस के 32 बोर पिस्तौल और खाली मैगजीन के साथ काबू किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अलीका निवासी गुरप्रीत सिंह उर्फ घण पुत्र कर्म सिंह के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक शीशपाल सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त और अपराध रोकथाम के सिलसिले में नागपुर-अलीका मार्ग पर तैनात थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एक स्वतंत्र गवाह को साथ लिया और तुरंत मौके पर दबिश दी। पुलिस की गाड़ी को देखकर आरोपी ने घबराकर तेज कदमों से भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने शक के आधार पर उसे घेराबंदी कर मौके पर ही दबोच लिया। पुलिस टीम द्वारा नियमानुसार ली गई तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से .32 बोर की एक अवैध पिस्तौल और खाली मैगजीन बरामद हुई।

हड़ताल के दौरान 33 दिन बिना पारिश्रमिक आग से लड़े 11 स्वयंसेवी दमकल सेवक सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

गेहूं कटाई सीजन के दौरान दमकल कर्मचारियों की हड़ताल के बीच लगातार 33 दिनों तक बिना किसी पारिश्रमिक के अग्निशमन सेवाएं देने वाले 11 डिप्लोमाधारक स्वयंसेवी दमकल सेवकों को रविवार को लायंस क्लब भूना रॉयल ने सम्मानित किया। सेवा भाव कार्यक्रम के तहत आयोजित समारोह में सभी स्वयंसेवकों को प्रशंसा पत्र देकर उनके साहस, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की सराहना की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के प्रधान मुकेश भूटानी ने की, जबकि संचालन सचिव जितेंद्र तूर ने किया। क्लब निदेशक दलबीर सिंह ने कहा कि आगजनी की घटनाओं में लोगों की वर्षों की मेहनत से जुटाई गई पूंजी कुछ ही पलों में राख हो जाती है। ऐसे संकट के समय दमकल कर्मियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। लेकिन इस दौरान अपनी मांगों को लेकर स्थाई दमकल कर्मियों ने हड़ताल शुरू कर दी थी। इसलिए डिप्लोमा धारक स्वयंसेवक आगे आए।

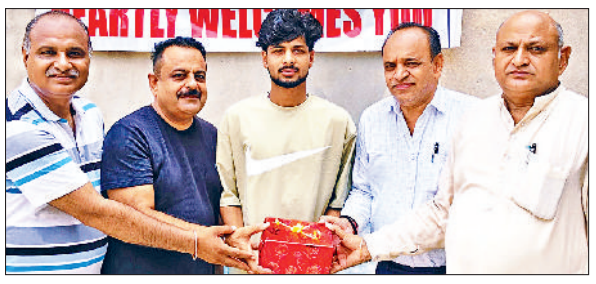

भूना। दमकल सेवक को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करते लायंस क्लब भूना रॉयल के पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर क्लब के चीफ कोऑर्डिनेटर पवन सिंगला, कोषाध्यक्ष एडवोकेट रिछपाल सिंह ने मोटिवेशनल कॉल के लिए दीपक टुटेजा और महेश बंसल का आभार जताया। समारोह में अंकुश, आदित्य कुमार, विष्णु कुमार, सुमित कुमार, रविंद्र, धर्मवीर, अनुप, मंजीत सिंह, कर्मजीत सिंह, जितेंद्र, निर्मल सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ज्वार के खेत में छिपाकर रखा था नशा महिला तस्कर काबू

फतेहाबाद। थाना सदर रतिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए एक महिला को भारी मात्रा में नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला के कब्जे से 4 किलो 895 ग्राम डोडा चूरा पोस्त बरामद हुआ है, जिसे उसने खेत में छिपाकर रखा था। पकड़ी गई आरोपी की पहचान तामसपुरा निवासी मनजीत कौर उर्फ रानी कौर पत्नी गुरचरण सिंह के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक शीशपाल सिंह ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में नशा तस्करी की रोकथाम और संदिग्धों की निगरानी के लिए गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान सूचना के आधार पर कार्रवाई की ।

सिटी वेलफेयर क्लब ने डिवाइडरों के गमलों में लगाए बूगनवेलिया के पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर की सुंदरता बढ़ाने के उद्देश्य से सिटी वेलफेयर क्लब द्वारा डिवाइडरों पर बनाए गमलों में बूगनवेलिया के पौधे लगाए गए। क्लब के सदस्यों ने बताया कि बूगनवेलिया ऐसा पौधा है जिसे कम पानी की आवश्यकता होती है। जब इन बेलों पर रंग-बिरंगे फूल खिलेंगे तो सडक़ के डिवाइडर आकर्षक गुलदस्तों की तरह दिखाई देंगे और शहर की सुंदरता में चार चांद लगेंगे। इस अवसर पर सदस्यों ने गमलों की साफ-सफाई करते हुए उनमें जमा कबाड़ भी निकाला। इसके बाद गमलों में पौधे रोपे गए और उन्हें पानी दिया गया। क्लब सदस्यों के अनुसार बूगनवेलिया की जड़ें अधिक नहीं फैलतीं, जिससे गमलों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता। ज्ञात रहे सिटी वेलफेयर क्लब ने 2000 कनेर के पौधे भी इन डिवाइडरो पर लगाए थे। यह अभियान सिटी वेलफेयर क्लब के अध्यक्ष विनोद अरोड़ा के सानिध्य में चलाया गया, जिसमें शहर के बुद्धिजीवी वर्ग ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

फतेहाबाद। डिवाइडरों के गमलों में पौधे लगाते सिटी वेलफेयर क्लब सदस्य।

सिम क्लोनिंग के जरिए बैंक खाते से हो सकती है ठगी : निकिता खट्टर

- हैकर आपके मोबाइल नेटवर्क को बंद कर नकली सिम के जरिए कर सकते हैं पूरा डेटा एक्सेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने सिम क्लोनिंग से जुड़े साइबर अपराधों को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है। एसपी ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी नई-नई तकनीकों का इस्तेमाल कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं, जिनमें सिम क्लोनिंग एक गंभीर खतरा बनकर सामने आया है। उन्होंने बताया कि सिम क्लोनिंग के तहत हैकर विशेष सॉफ्टवेयर या डिवाइस के माध्यम से मोबाइल सिम के आईएमएसआई और केआई नंबर को कॉपी कर लेते हैं। इसके बाद उसी नंबर की एक नकली सिम तैयार कर ली जाती है।

व्यक्तिगत जानकारी किसी से साझा न करें

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आपके मोबाइल में अचानक नेटवर्क बंद हो जाए, कॉल/मैसेज आना बंद हो जाए या सिम नो सर्विस दिखाने लगे, तो इसे हल्के में न लें, यह सिम क्लोनिंग का संकेत हो सकता है। फतेहाबाद पुलिस द्वारा आमजन के लिए सावधानियां जारी करते हुए कहा कि किसी भी अनजान लिंक, कॉल या मैसेज पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। मोबाइल नंबर को आधार, बैंक या अन्य सेवाओं से जोड़ते समय सावधानी बरतें। सिम से संबंधित किसी भी समस्या पर तुरंत अपने मोबाइल ऑपरेटर से संपर्क करें। बैंकिंग सेवाओं के लिए मजबूत पासवर्ड व टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करें। मोबाइल में संदिग्ध ऐप्स इंस्टॉल करने से बचें। ओटीपी, पिन या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें।

टोहाना में श्रद्धांजलि सभा के साथ रक्तदान शिविर लगाया

पुण्यतिथि पर 72 विभाजन पीड़ितों का अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

टोहाना की पंजाबी पंचायती धर्मशाला में स्वर्गीय बलदेव राज सरना की पुण्यतिथि रविवार को सेवा, सम्मान और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि 1947 के भारत विभाजन से पहले महापंजाब में जन्मे 72 विभाजन पीड़ित बुजुर्गों का सार्वजनिक रूप से सम्मान किया गया। इस दौरान रक्तदान शिविर का भी आयोजन हुआ, जबकि संत-महापुरुषों के प्रवचनों ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक माहौल प्रदान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने स्वर्गीय बलदेव राज सरना को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि विभाजन की पीड़ा झेलने वाली पीढ़ी ने कठिन परिस्थितियों में समाज को नई दिशा दी। आज उनकी संघर्षगाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सरना परिवार और ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री कम्युनिटी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन केवल सम्मान तक सीमित नहीं होते, बल्कि इतिहास और संस्कारों को जीवंत रखने का माध्यम भी बनते हैं।

फतेहाबाद। कार्यक्रम में बुजुर्गों को सम्मानित करते हुए महिलाएं।

ये रहे मौजूद

इस सम्मान समारोह में महिला सेवा समिति, पंजाबी अरोड़ा खत्री टोहाना परिवार, स्वर्ग आश्रम सेवा समिति, सजग सेवा समिति, हनुमान मंदिर समिति, श्री वैष्णो देवी मंदिर समिति, राम मंदिर समिति, भाटिया बिरादरी, सीनियर सिटीजन संगठन, पंजाबी वेलफेयर, डेरेवाला बिरादरी, मेहता बिरादरी, अन्नदाता किसान यूनियन, अनाज मंडी मजदूर संगठन तथा मुल्तानी ठठा बिरादरी सहित अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों ने भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का संचालन महेश चड्ढा ने किया। अंत में ईश सरना एवं उनके परिवार ने सभी अतिथियों, संत-महापुरुषों, सामाजिक संगठनों और उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

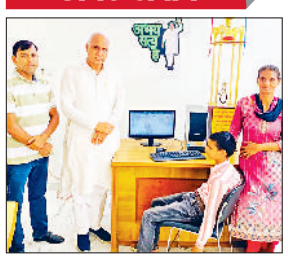

कर्ण चौटाला ने दृष्टिबाधित बच्चे को भेंट किया कंप्यूटर

सिरसा। जिला परिषद सिरसा के चेयरमैन कर्ण सिंह चौटाला ने अपने निजी कोष से रविवार को मानव कल्याण की दिशा में कदमताल करते हुए रानियां हलके के गांव हारनिया निवासी एक दृष्टिबाधित बच्चे को कंप्यूटर भेंटकर उसके जीवन को शैक्षित तौर पर बेहतर बनाने का प्रयास किया है। इनेलो जिला कार्यालय में बच्चे को कंप्यूटर भेंट करने के दौरान इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि कर्ण चौटाला ने सदैव अपने पिता व इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला के मार्गदर्शन में जनकल्याण के उद्देश्य से ग्रामीण विकास के साथ-साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करते हैं और उसी कड़ी में ये बेहतर प्रयास है। इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि इनेलो एक संघर्षशील राजनीतिक दल होने के साथ-साथ अपना सामाजिक दायित्व निवर्हन करने में भी आगे है।

कैंप में बच्चों ने सीखा गतका चलाना

रतिया। बच्चों को गत्तका कला से जोड़ने के लिए गुरुद्वारा गुमटसर साहिब में अकाली बाबा फूला सिंह गत्तका अकैडमी रतिया द्वारा 1 जून से से शुरू किए गए निःशुल्क गतका सिखलाई कैंप में अनेक बच्चों व युवाओं बढ़चढ़ कर भाग लेकर गतका के गुरु सीखे। यह जानकारी देते हुए सेवादार जगपाल सिंह व कमलजीत सिंह ने बताया कि इस कैंप में गतका कोच जश्नदीप सिंह व सागर सिंह द्वारा सेवाएं दी गई और एक महीने से अधिक समय में बच्चों ने बखूबी गत्तका कला सीखी और उन बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। समापन समारोह में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य शामिल होंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आग्रह किया कि जब भी मौका मिलता है तो वह बच्चों को गत्तका कला से जोड़ने के प्रेरित करें ताकि बच्चे इस कला को सीख सकेंगे।

पौधारोपण वर्तमान समय की जरूरतः ललित जैन

सिरसा। आदर्श सोसायटी नजदीक महिला थाना में रविवार को पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि श्री जयदेव-सहदेव जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष ललित जैन ने शिरकत की। सोसायटी के अध्यक्ष कंवरभान वर्मा ने कहा कि आदर्श कॉलोनी में आदर्श वाटिका के नाम से छोटा सा पार्क बनाया गया है। पार्क में सोसायटी पदाधिकारियों की ओर से पौधे लगाकर उसे हरा-भरा बनाया गया है। पौधों को सुरक्षित रखने के लिए ट्री गार्ड लगाने के साथ-साथ इनकी हर प्रकार से देखभाल करने का भी उपस्थित सदस्यों ने आश्वासन दिया। आदर्श वाटिका प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष अध्यापक सुभाष खटाना की देखरेख में इस पार्क का कार्य चल रहा है। पौधारोपण तथा ट्री गार्ड लगवाने में श्री जयदेव-सहदेव जैन चैरिटेबल ट्रस्ट ने आर्थिक सहयोग किया। मुख्यातिथि समाजसेवी ललित जैन ने पौधरोपण का महत्व बताया।

पीएचईडी और ग्राम पंचायतों के बीच हुआ एमओयू

जिले की 112 पंचायतें संभालेंगी गांवों में पेयजल आपूर्ति की कमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी और ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में जिला प्रशासन एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की पहल को सकारात्मक परिणाम मिले हैं। विभाग द्वारा शुरू किए गए अभियान के तहत जिले की 112 ग्राम पंचायतों ने अपने-अपने गांवों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी स्वयं संभालने के लिए विभाग के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए हैं। इससे ग्रामीण जल प्रबंधन में जनभागीदारी को नई मजबूती मिलेगी और स्थानीय स्तर पर पेयजल सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत केवल 15 ग्राम पंचायतों को इस व्यवस्था से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। लेकिन विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के सतत प्रयास, फील्ड स्तर पर की गई जागरूकता गतिविधियों तथा सरपंचों एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों के सकारात्मक सहयोग के परिणामस्वरूप लक्ष्य से कहीं अधिक 112 ग्राम पंचायतों ने स्वेच्छा से एमओयू किए हैं। विभाग के अनुसार, इस व्यवस्था के लागू होने से ग्राम पंचायतें अपने गांव की पेयजल योजनाओं के संचालन, नियमित रखरखाव, छोटी-मोटी मरम्मत, जल वितरण तथा उपभोक्ताओं से जुड़े स्थानीय मुद्दों का समाधान स्वयं कर सकेंगी। इससे किसी भी खराबी के समाधान में लगने वाला समय कम होगा, योजनाओं का बेहतर रखरखाव सुनिश्चित होगा और ग्रामीणों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

पंचायतों की सक्रिय भूमिका से होगा बेहतर पेयजल प्रबंधन

पंचायतों की सक्रिय भूमिका से कार्य की निगरानी भी बेहतर होगी और लोगों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही तेजी से हो सकेगा। विभाग ने इस उपलब्धि को जनसहभागिता का सकारात्मक उदाहरण बताते हुए उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में शेष ग्राम पंचायतें भी इस अभियान से जुड़ेंगी। इससे जिले में पेयजल प्रबंधन का एक ऐसा मॉडल विकसित होगा, जिसमें स्थानीय समुदाय की भागीदारी से योजनाओं का संचालन अधिक प्रभावी और स्थायी रूप से किया जा सकेगा। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सिरसा मंडल के कार्यकारी अभियंता राजेश शर्मा ने बताया कि विभाग ने 112 पंचायतों के साथ एमओयू किया है। बैंक खाते खोलने और पेंडिंग एमओयू पूरे करवाने के लिए विभाग द्वारा जिले के सभी 7 ब्लॉक सिरसा, डबवाली, रानियां, ऐलनाबाद, नाथूसरी चोपटा, बड़ागुढ़ा व ओढां में दोबारा विशेष कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों में बैंक अधिकारियों की टीम मौके पर ही पंचायतों के खाइल्ड अकाउंट खोलेगी। कैंप में बीडीपीओ और ग्राम सचिव भी मौजूद रहेंगे ताकि दस्तावेजों की वेरिफिकेशन तुरंत हो सके और प्रक्रिया में देरी न हो। जिन पंचायतों के एमओयू व बैंक खाते अभी बाकी हैं, उन्हें भी जल्द इस योजना से जोड़ा जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में गहराया पेयजल संकट सरकार नहीं दे रही ध्यानः सैलजा

सांसद निधि कोष से 18 गांवों को वितरित किए पानी के टैंकर

खास बातें

- लोगों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए पड़ोसी राज्य राजस्थान से पानी लाकर गुजारा करना पड़ रहा है
- पर्याप्त वर्षा नहीं होने और भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करती सांसद कुमारी सैलजा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भीषण गर्मी और लगातार गिरते भूजल स्तर के कारण क्षेत्र के कई गांवों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि लोगों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए पड़ोसी राज्य राजस्थान से पानी लाकर गुजारा करना पड़ रहा है। गांवों में अधिकांश जलघर सूख चुके हैं। ग्रामीण इलाकों में हालात बद से बदतर हैं। दिनोंदिन पेयजल किल्लत गहरा रही है। सरकार पानी को लेकर कोई ध्यान नहीं दे रही। हर मोर्चे पर भाजपा सरकार फेल है। सैलजा रविवार को सिरसा में सांसद निधि कोष से 18 गांवों को पानी के टैंकर वितरण के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थी।

सैलजा ने कहा कि सिरसा जिले में पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली, पानी के टैंकर और अन्य साधनों से राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में जाकर पानी भरकर ला रहे हैं। इस कारण लोगों को समय के साथ अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी उठाना पड़ रहा है।

महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें कई किलोमीटर दूर तक पानी लाने के लिए जाना पड़ता है। पर्याप्त वर्षा नहीं होने और भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है। कई गांवों में पीने योग्य पानी की उपलब्धता बेहद सीमित रह गई है, जिससे लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। भाजपा सरकार पेयजल किल्लत को लेकर गंभीर नहीं है।

सांसद ने कहा कि सिरसा जिले के प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। जहां आवश्यकता है वहां टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। सांसद ने अधिकारियों से कहा कि लोगों को पानी मुहैया करवाएं, जहां ज्यादा दिक्कत हैं वहां टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाया जाए।

इस मौके पर सिरसा विधायक गोकुल सेतिया, कालांवाली विधायक शीशपाल केहरवाला, कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष कृष्णा फौगाट, वीरभान मेहता, राजकुमार शर्मा, सतपाल मेहता, नवीन केडिया, राजेश चाडीवाल, आरसी लिंबा, सुरजीत भावदीन, भूपेंद्र राठौड़, लादूराम पूनिया सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद थे।

दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरित

सांसद कुमारी सैलजा ने रविवार को साहूवाला प्रथम, कुत्ताबढ़, मारूखेड़ा, जोगीवाला, जंडवाला बिश्नोईयां, मोडियाखेड़ा, मोचीवाली, साहूवाला द्वितीय, नहराणा, मल्लिकपुरा, हस्सू, जगमालवाली, कुरंगावाली, रामपुर थेड़ी, संतनगर, नकौड़ा, आसाखेड़ा व शहीदांवाली की ग्राम पंचायतों को पानी के टैंकर वितरित किए। इस दौरान सांसद ने डबवाली, पोहड़का, रामपुरा ढिल्लों में दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक स्कूटी वितरित की।

चोपटा। पौधारोपण करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

सहकारी सप्ताह अभियान के तहत कागदाना पैक्स में किया पौधारोपण

चोपटा। गांव कागदाना की पैक्स के अंदर आम सभा एवं सहकारी सप्ताह अभियान के तहत पौधारोपण का आयोजन किया गया। इस दौरान स्टाफ के कर्मचारियों ने मिलकर पैक्स परिसर में पौधारोपण किया। इसकी जानकारी देते हुए पैक्स प्रबंधक सतबीर श्योराण ने बताया कि विभाग की तरफ से एक सप्ताह का कार्यक्रम चलाया गया है जिसके तहत अलग अलग प्रकार के कार्यक्रम किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले आम सभा का आयोजन किया गया था वही अब पैक्स परिसर में पौधारोपण किया गया है और पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया गया है। इस दौरान उन्होंने बताया कि सहकारिता विभाग की तरफ से अलग अलग योजनाएं आम जनता के लिए आती है। उन्होंने आम जनता से इन योजनाओं का लाभ उठाने की भी अपील की। प्रबंधक सतबीर श्योराण, सेल्समैन शेरसिंह, शाखा प्रबंधक पृथ्वीराज डूडी, रक्र ऑफिस रामदत लिपिक सिरसा, हरपाल सिंह, नवीन कुमार चेयरमैन पैक्स, सौरभ, संजय, कृष्ण पैक्स कर्मचारी, निहाल सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण में ऐसे कई मामले आ रहे

फॉर्म-8 के जरिए परिवार एक ही मतदान केंद्र पर वोट स्थानांतरण का अनुरोध कर सकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान कई ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें एक ही परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों की मतदाता सूची में दर्ज हैं। यह इसलिए हो सकता है कि कोई भी सेक्टर या कॉलोनी का दो अलग-अलग मतदान केंद्रों में सैक्शन (अनुभाग) बना हुआ है, क्योंकि दोनों मतदान केंद्र एक ही इमारत में बनाए गए हैं। इस वजह से मतदाता के रूप में पंजीकृत करने के लिए फार्म-6 दूसरे बीएलओ को दे दिए गए तथा परिवार के सभी सदस्य एक ही मतदान केन्द्र पर पंजीकृत न होकर अलग-अलग मतदान केन्द्र पर पंजीकृत हैं। ऐसे मतदाता फॉर्म -8 भरकर मतदान केंद्र बदलने का अनुरोध कर सकते हैं।

इस सिलसिले में सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि ऐसी स्थिति में संबंधित बूथ लेवल अधिकारी अपने-अपने मतदान क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करेंगे, उन्हें भरवाकर प्राप्त करेंगे तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनका डिजिटाइजेशन भी करेंगे। सभी पात्र मतदाताओं को अपना गणना प्रपत्र संबंधित बीएलओ को अवश्य उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि परिवार चाहता है कि भविष्य में परिवार के सभी पात्र मतदाताओं का नाम एक ही मतदान केंद्र की मतदाता सूची में हो, तो प्रारंभिक मतदाता सूची 2026 के प्रकाशन के बाद चलने वाले दावे व आपत्तियां अवधि के दौरान प्रपत्र-8 (फॉर्म-8) भरकर मतदान केंद्र परिवर्तन का अनुरोध कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नए पात्र

■ मतदाता सूची से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए अपने क्षेत्र के बीएलओ या फिर टोल फ्री नंबर 1950 के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

व्यक्तियों से अनुरोध है कि फार्म 6 भरते समय अपने परिवार के पहले से पंजीकृत सदस्य का विवरण ठीक से भरे तथा उसी मतदान केंद्र के बीएलओ को फार्म 6 जमा करवाएं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन विभाग सभी मतदाताओं से अपील करता है कि वे प्रारंभिक मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद अपने नाम एवं विवरण की जांच अवश्य करें। यदि परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं और उन्हें एक ही मतदान केंद्र पर स्थानांतरित कराना चाहते हैं, तो निर्धारित अवधि 21 जुलाई से 20 अगस्त तक प्रपत्र-8 (फॉर्म 8) भरकर आवेदन करें। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए अपने क्षेत्र के बीएलओ या फिर टोल फ्री नंबर 1950 के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

सिरसा। सत्संग प्रवचन सुनते श्रद्धालु।

भक्त के जीवन में अज्ञान, अहंकार व विकारों का गुरु करते हैं नाशः भारती

सिरसा। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा आध्यात्मिक सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें साध्वी पूनम भारती ने कहा कि पूर्ण गुरु भक्त के जीवन में अज्ञान, अहंकार व विकारों का नाश करते हैं। कार्यक्रम का वातावरण भक्ति, ज्ञान एवं गुरु महिमा से ओतप्रोत रहा। साध्वी ने गुरु की महिमा का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए बताया कि गुरु वह दिव्य सत्ता है, जो जीव को अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश में स्थापित करती है। सनातन परंपरा में गुरु को साक्षात परमात्मा का स्वरूप बताया गया है। सतगुरु ही वह युक्ति देते हैं जिसके माध्यम से साधक अपने अंदर परमात्मा का अनुभव करता है। गुरु ही ब्रह्मा है, जो ज्ञान का सृजन करते हैं। गुरु ही विष्णु हैं, जो साधक के जीवन का पालन एवं संरक्षण करते हैं। गुरू ही महेश्वर है, जो अज्ञान अहंकार विकारों का नाश करते हैं। कार्यक्रम का समापन सामुहिक साधना के साथ किया गया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर किया पौधरोपण

चोपटा। भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को गांव गिरोरानी स्थित शिवपुरी एवं गौशाला परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इसके उपरांत गौशाला परिसर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के जिला महामंत्री हनुमान कुंडू ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे के संकल्प को लेकर देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, जिसे देश सदैव स्मरण रखेगा।कार्यक्रम में जिला पार्षद नंदलाल बैनीवाल, जिला सह-संयोजक योगेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष संदीप सहारण, सरपंच संदीप बैनीवाल, सरपंच संदीप बगड्यां, हरदत्त, रोहताश, मंडल महामंत्री बंशीलाल बैनीवाल, गौशाला प्रधान वीरेंद्र श्योराण, हरिश शर्मा, अनिल कुमार सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सम्मेलन के अंत में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

सांस्कृतिक विरासत की मजबूती के लिए लगाए जा रहे गुरमत ट्रेनिंग शिविरः मास्टर बलविंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिले के गांव करीवाला में गुरुद्वारा साहिब बाबा जीवन सिंह के प्रांगण में शहीद बाबा जीवन सिंह जी ट्रस्ट द्वारा आयोजित दूसरे गुरमत ट्रेनिंग कैंप में मजहबी सिख महासभा हरियाणा के संस्थापक मास्टर बलविंद्र सिंह थेड़ी व अध्यक्ष चरणजीत सिंह भट्टी ने शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में समाज को सिख धर्म की शिक्षा को अपनाकर नशे और सामाजिक कुरीतियों से बचने का संदेश दिया। उन्होंने बच्चों को भी शिक्षा व खेलों के महत्व बारे विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में बच्चों को गुरबाणी, सिख इतिहास, पंजाबी भाषा और गतका (शस्त्र विद्या) की शिक्षा दी जा रही है।

सिरसा। प्रशिक्षण के बाद बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित करते।

बच्चों को किया सम्मानित

उन्होंने कहा कि गुरु दीयां लाडलियां फौजां द्वारा बच्चों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने के लिए गुरमत शिविरों का आयोजन जारी है। वहीं धर्म प्रचार कमेटी शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर ने भी शिरकत कर बच्चों को सम्मानित किया। इस मौके पर अमरीक सिंह करीवाला, दरबारा सिंह पूर्व सरपंच करीवाला, भीर सिंह करीवाला, मोलक सिंह, बाबा मलकीत सिंह संतावली, हरभजन सिंह खैरपुर, राज सिंह मट्टू, बलविंद्र सिंह ममेरां, दारा सिंह दमदमा, साधा सिंह आदि मौजूद रहे।

चोपटा। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वालों को सम्मानित करते।

पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा।

भगत धन्ना जी ट्रस्ट की ओर से चोपटा में रविवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र कड़वासरा रहे। संत कबीर इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण एवं पौधारोपण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विभिन्न गांवों के समाजसेवियों एवं पर्यावरण प्रेमियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में अजय तरड़, शीलू निरबाण, मुकेश सुथार, प्रहलाद डूडी, शिवशंकर, सुनील गाट, विक्रम कालेरा आदि शामिल हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमरीक सिंह राही ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनकी देखभाल करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने सभी सम्मानित पर्यावरण प्रेमियों को सराहा।

भाविप के शिविर में 125 ने किया रक्तदान

रतिया। भारत विकास परिषद शाखा रतिया द्वारा मां की रसोई रोजाना लंगर सेवा ट्रस्ट कि सहयोग से कम्युनिटी हॉल रतिया में आयोजित रक्त दान शिविर में 125 रक्त वीरों ने रक्त दान किया। इस शिविर का शुभारंभ प्रमोद बंसल प्रधान अग्रवाल सभा ने मां की ज्योति प्रज्जवलित कर किया। इस रक्त कैंप में नारी शक्ति ने भी सहभागिता की। मानव सेवा संगम ब्लड बैंक एवं हॉस्पिटल के अध्यक्ष सतपाल नन्हेड़ी अपनी टीम के साथ पहुंचे। अंत में सभी रक्तवीरों को प्रमाण पत्र एवं रक्तवीर सम्मान की मोमैंटो भेंट किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

संवाद पुलिस और जनता मिलकर करेगी काम

डबवाली को नशामुक्त करने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

पुलिस द्वारा गांव डबवाली में संध्या संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक योगेश कटारिया ने महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों के साथ संवाद किया तथा नशा उन्मूलन, सामाजिक सहभागिता और सुरक्षित समाज के निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर थाना शहर डबवाली के प्रभारी निरीक्षक अवतार सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। डीएसपी ने कहा कि

डबवाली। ग्रामीणों से संवाद करते डीएसपी योगेश कटारिया। फोटो : हरिभूमि

नशा केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। डबवाली पुलिस नशा तस्करों के विरुद्ध लगातार कठोर कार्रवाई कर रही है, लेकिन इस अभियान में पूर्ण सफलता तभी संभव है, जब समाज का प्रत्येक नागरिक इसमें सहभागी बने। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करें। कार्यक्रम के दौरान गांव के गणमान्य व्यक्तियों, महिलाओं एवं युवाओं ने भी अपने विचार एवं सुझाव साझा किए तथा नशे के खिलाफ सामूहिक रूप से लडऩे का संकल्प लिया। संवाद के माध्यम से ग्रामीणों ने सामाजिक समस्याओं एवं गांव की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी खुलकर चर्चा की। डीएसपी योगेश कटारिया ने गांव के सरपंच एवं पंचायती प्रतिनिधियों से गांव स्तर पर नशा मुक्ति समिति गठित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पंचायत, युवाओं, महिला समूहों की इसमें सहभागित रहेगी।

C.R. LAW COLLEGE
RAJGARH ROAD, HISAR
Seth Chhaju Ram (1861-1943)
(Affiliated to GJUS&T, Hisar & Approved by Bar Council of India)
Permanent Recognition (NOC) from Haryana Govt.
ADMISSION OPEN For Academic Session 2026-27
DIRECT ADMISSION ON MERIT BASIS
B.A. LL.B. LAST DATE : 06 JULY 2026 — 5 YEAR INTEGRATED COURSE AFTER 10+2
LL.B. (Professional) LAST DATE : 30 JULY 2026 — 3 YEAR DEGREE COURSE AFTER GRADUATION
For General Category Candidates Minimum 45% Marks aggregate and for SC/ST Candidates Minimum 40% Marks aggregate in the qualifying exam (Any Stream)
LL.M. LAST DATE 30 JULY 2026 — 2 YEAR PROGRAMME
For General Category Candidates Minimum 50% Marks in the aggregate and for SC/ST Candidates Minimum 45% Marks in LL.B.
APPLY ONLINE FOR ADMISSION
www.crlawcollege.com | crlawcollege5@gmail.com | crlawcollegeofficial
Helpline Number: 89508-48988, 9812126302, 9466441636, 01662-254270
Dr. Krishan Kumar Kajal, Principal
Sh. Dildar Singh Poonia, President, Jat Educational Society, Hisar